



AECC04.5

Reg. No.

U 1 8 E B 2 1 S 0 2 1 2

I Semester B.C.A./B.Sc.(FAD)/B.S.I.D. Degree Examination, May/June - 2022

LANGUAGE HINDI UNDER (AECC)

Nibhandh, Aalekhan, Tippan and Prathivedan

(NEP Semester Scheme Freshers)

Paper - I

Time : 2½ Hours

Maximum Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए।

(10×1=10)

- 1) लेखक के अनुसार हमारे सभ्य समाज की व्यवहारिक भाषा कौनसी है?
- 2) अकेले होने पर भी बिल्कुल मग्न रहनेवाला प्राणी कौन सा है?
- 3) किसी समाज का सच्चा हाल कौन प्रकट करता है?
- 4) एक विद्वान के अनुसार स्वदेश प्रेम किसका ढोंग है?
- 5) अहिंसा का दूसरा स्वरूप क्या है?
- 6) हमारी सारी संस्कृति का मूलाधार किस तत्व पर स्थापित है?
- 7) लेखक के अनुसार विश्वासपात्र मित्र किसके समान हैं?
- 8) 'लीग ऑफ नेशन' की स्थापन किस उद्देश्य से की गई है?
- 9) छात्रावास में किसकी धुन सवार रहती है?
- 10) "मेरे राम का मुकुट भीग रहा है" निबन्ध के लेखक कौन है?

II. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(2×7=14)

- 1) "जिंदगी के अंत में हम उतना ही पाते हैं, जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं?"
- 2) "निर्बल सबलों के लिए उतने ही भयानक है - जितना कि हाथियों की दलदल।"
- 3) "कोस-कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी।"

III. 'मानसिक पराधीनता' निबन्ध का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(1×16=16)

(अथवा)

'मित्रता' के चुनाव पर ही जीवन की सफलता निर्भर रहती है - इस आशय को स्पष्ट कीजिए।

[P.T.O.]



(2)

AECC04.5

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए :

(1×5=5)

- 1) बुद्ध देव।
- 2) भारतीय संस्कृति।

V. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(2×4=8)

- 1) आलेखन किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं?
- 2) टिप्पण की परिभाषा लिखिए।
- 3) आपके महाविद्यालय में हुए वार्षिकोत्सव का पूरा विवरण देते हुए एक प्रतिवेदन (Report) तैयार किजिए।

VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए :

(1×7=7)

बड़ी-बड़ी गोष्टियाँ हो रही है, बड़े बड़े भाषण हो रहे हैं। जल संरक्षण हेतु विचार विमर्श हो रहे हैं। समितियाँ बन रही हैं, राजनीतिक क्षेत्र में भी हलचल है। जल पुरुष की उपाधियाँ बँट रही हैं। किन्तु क्या वास्तव में जल संरक्षण हो रहा है? संसार में चारों तरफ जल ही जल है। पृथ्वी जल से धिरी हुई है। वर्षा में कितना जल बरसता है। कितनी बाढ़ें आती हैं? शहरों में गाँवों में पानी-भर जाता है। क्या हम वास्तव में जल संरक्षण के प्रति गम्भीर हैं।
